छेड़छाड़——

(शिष्ट-हास्यात्मक पद्य-संग्रह)

(सम्मत्यर्थ)

—हृषीकेश चतुर्वेदी
(चौबेजी का कटरा, किनारी बाज़ार,
आगरा)।